RTI INSTITUTE OF INDIA
भारतीय सूचना अधिकार संस्थान

D 406, Bhim Basti, Jaunapur, Mandi Road, New Delhi - 110047
Mobile : 9810500389, 9910623355, Email : **rtiinstitute@gmail.com**

संदर्भः चम्पारण में महात्मा गांधी/पुस्तक / विज्ञापन /2021
दिनांकः 03 अगस्त 2021

A.R.(G)

The Vice Chancellor
University Of Delhi
Delhi-110007

विषयः आजादी का अमृत महोत्सव पर पुर्नप्रकाशित होने वाली देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की लिखि पुस्तक"चम्पारण में महात्मा गांधी" में अपने विश्वविद्यालय का विज्ञापन देने के लिए आग्रह।

महोदय,

हमें सूचित करते हुए आपार हर्ष हो रहा है कि आरटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 150वीं जन्म जयंती पर मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण में आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी ने साउथ अफ्रिका में अपने सफल प्रयोग के बाद भारत में स्वतंत्रता आंदोलन का पहला प्रयोग चम्पारण में ही किया था। चम्पारण के किसान बाबू लोमराज सिंह के सहयोग से पंडित राजकुमार शुक्ल नें महात्मा गांधी को चम्पारण बुलाने में सफल रहे थे। गांधी जी चम्पारण में आने के बाद वे बाबू लोमराज सिंह के गांव जसौली जा रहे थे लेकिन रास्ते में 16अप्रैल 1917 को चन्द्रहिया में उन्हें रोक लिया गया तथा जिला दण्डाधिकारी के द्वारा अगली उपलब्ध गाड़ी से चम्पारण छोड़ने का आदेश दे दिया गया। 18 अप्रैल 1917 को अनुमंडल पदाधिकारी मोतिहारी के अदालत में जो महात्मा गांधीजी ने अपना ब्यान दिया वह ऐतिहासिक है जो भारत की आजादी में चम्पारण एवं महात्मा गांधी को आगे बढ़ने के लिए एक नई ऊर्जा दिया। महात्मागांधी का चम्पारण सत्याग्रह देश की आजादी को नई दिशा देने का काम किया।

चम्पारण प्रवास के दौरान देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसादजी, महात्मा गांधी जी के प्रमुख सहयोगी थे। लम्बे समय तक चम्पारण में महात्मा गांधी जी के साथ रहने के कारण राजेन्द्र बाबू ने चम्पारण में महात्मा गांधी नाम से एक पुस्तक लिखि जिसमें चम्पारण के इतिहास, गांधी जी की बुनियादी शिक्षा एवं स्वच्छता के साथ निलहों के अत्याचार से त्रस्त किसानों की समस्याओं को महात्मा गांधी जी के समक्ष पस्तुत करने के लिए ब्यान देने वाले किसानों तथा ब्यान लेने वालों का नाम भी अंकित किया गया है। महात्मा गांधीजी एवं चम्पारण सत्याग्रह के प्रयोग को समझने के लिए चम्पारण में महात्मा गांधी पुस्तक छात्र, युवा एवं समाजसेवी तथा प्रबुद्ध लोगों के लिए काफी उपयोगी है। पुस्तक के अंत में चम्पारण के महात्मा गांधी जी से जुड़े स्थलों का चित्र भी प्रकाशित किया जा रहा है। आरटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया नई दिल्ली के द्वारा देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की लिखि पुस्तक चम्पारण में महात्मा गांधी का पुर्नप्रकाशन किया जा रहा है जिसका लोकार्पण राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर 5 सितम्बर 2021 को गांधी स्मारक एवं संग्रहालय सभागार मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण में किया जाएगा। पुस्तक को स्कूल, कॉलेज एवं पुस्तकालयों में उपलब्ध कराया जाएगा। पुस्तक में कुछ महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय का विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा। 7.5X4.5 इंच साईज के स्वेत एवं श्याम रंग के एक पेज विज्ञापन का दर कुल 25,000 रुपये है जिसका भुगतान चेक या ड्राफ्ट के माध्यम से आरटीआई इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के नाम से नई दिल्ली में देय होगा। एनइएफटी या आरटीजीएस से भुगतान के लिए बैंक का विवरण निम्न प्रकार है।

Name of the Account : **RTI Institute of India**
Name of the Bank : Union Bank of India, Neb Sarai Branch, New Delhi
Account Number : **520101051931598**, IFSC Code : **UBIN0916889**

आजादी का अमृत महोत्सव पर पुर्नप्रकाशित होने वाली देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की लिखि पुस्तक"चम्पारण में महात्मा गांधी" में अपने विश्वविद्यालय का विज्ञापन देने की कृपा करें। इमेल के माध्यम से विज्ञापन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त 2021 है।

विश्वासभाजन

मनीष कुमार शेखर, अध्यक्ष
संपादक, चम्पारण में महात्मा गांधी

PVC-1356
03/08/2021